बायोफ्लॉक कल्चर सिस्टम में सिंघी कैटफ़िश पालन के लिए मानक संचालन प्रोटोकॉल पर कौशल विकास कार्यक्रम **30** से **4** नवंबर**, 2023** तक **2** बैचों में आयोजित किया गया । इस प्रशिक्षण को एनएफडीबी द्वारा "बायोफ्लॉक कल्चर सिस्टम में उभरती मछली प्रजातियों का प्रौद्योगिकी प्रदर्शन" परियोजना के तहत वित्त पोषित किया गया था। पहले बैच के प्रशिक्षण सत्र (**30** अक्टूबर से **1** नवंबर **2023)** में दस प्रशिक्षुओं ने भाग लिया**,** जिसमें **2** महिलाएं शामिल थीं और दूसरे बैच (**2** से **4** अगस्त **2023)** में **9** प्रतिभागियों ने भाग लिया**,** जिसमें **1** महिला प्रशिक्षु शामिल थीं। कुल मिलाकर**, 19** प्रशिक्षुओं ने इसका लाभ उठाया था।

प्रशिक्षण की शुरुआत उद्घाटन कार्यक्रम से हुई जिसमें अंतर्देशीय लवणीय जलीय कृषि के संबंध में मत्स्य पालन क्षेत्र में आईसीएआर-सीआईएफई, रोहतक केंद्र की भूमिका और उपलब्धि पर चर्चा की गई। प्रशिक्षण, व्याख्यान और व्यावहारिक सत्रों की रूपरेखा प्रदान करने के साथ उद्घाटन जारी रखा गया। व्याख्यान में बायोफ्लॉक सहित विभिन्न पहलू शामिल थे ।

बायोफ्लॉक प्रौद्योगिकी का परिचय, बायोफ्लॉक प्रौद्योगिकी के लिए टैंक डिजाइन और टैंक का निर्माण, बायोफ्लॉक प्रौद्योगिकी के लिए इनोकुलम की तैयारी और बायोफ्लॉक प्रणाली का नियमित प्रबंधन, जलीय कृषि में उम्मीदवार प्रजातियां, बायोफ्लॉक प्रौद्योगिकी के लिए इनोकुलम की तैयारी, बायोफ्लॉक में मछलियों का भंडारण, कार्बन: नाइट्रोजन हेरफेर, चारा और भोजन प्रबंधन, बायोफ्लॉक प्रौद्योगिकी का लागत लाभ मूल्यांकन, चारा और भोजन प्रबंधन, बायोफ्लॉक प्रौद्योगिकी में जल गुणवत्ता प्रबंधन प्रथाएं, रोग प्रबंधन और बेहतर प्रबंधन ,बायोफ्लॉक पालन प्रणाली में अभ्यास, व्यावहारिक प्रदर्शनों में इनोकुलम तैयारी का प्रदर्शन, विभिन्न फ्लॉक मापदंडों का निर्धारण और जल गुणवत्ता मापदंडों का निर्धारण शामिल था। प्रशिक्षुओं को प्रशिक्षण किट और जलपान प्रदान किया गया और आउट स्टेशन उम्मीदवारों के लिए आवास की व्यवस्था की गई। कार्यक्रम का समापन प्रतिभागियों की प्रतिक्रिया के साथ हुआ और उसके बाद समापन समारोह हुआ।

a. Trainees of 1st batch training

b. Trainees of 2nd batch training